समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 27 September 2026

जमशेदपुर से बॉलीवुड तक का सफर : इम्तियाज अली की हिट फिल्मों और जिंदगी की कहानी

Publisher

Published on 20 Sep 2025

जमशेदपुर, झारखंड का यह शहर सिर्फ औद्योगिक शहर के रूप में नहीं जाना जाता, बल्कि यह कई प्रतिभाओं को जन्म देने का केंद्र भी है। ऐसे ही एक प्रतिभाशाली फिल्ममेकर हैं **इम्तियाज अली**, जिन्होंने बॉलीवुड में रोमांटिक और इमोशनल फिल्मों के जरिए दर्शकों के दिलों में अपनी पहचान बनाई।

इम्तियाज अली का जन्म **16 जून 1971** को जमशेदपुर में हुआ। उनके पिता **मंसूर अली** ठेकेदार थे और सिंचाई के काम में जुड़े थे। परिवार की आर्थिक पृष्ठभूमि साधारण रही, लेकिन कला और थिएटर के प्रति इम्तियाज के अंदर बचपन से ही गहरी रुचि थी। उनके मामा **खालिद अहमद**, टीवी एक्टर और डायरेक्टर थे, जिन्होंने उन्हें कला की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

शुरुआती जीवन और शिक्षा

इम्तियाज अली का बचपन **पटना** में बीता। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई जमशेदपुर और पटना में ही पूरी की। इसके बाद उन्होंने **दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज** में एडमिशन लिया। कॉलेज में ही इन्होंने थिएटर की दुनिया में कदम रखा।

यहीं उन्होंने '**इब्तिदा' नाम का प्ले इंस्टीट्यूट** स्थापित किया, जो उनके रचनात्मक सफर की नींव साबित हुआ। थिएटर में काम करने के दौरान इन्होंने कहानी कहने, चरित्र निर्माण और संवाद लेखन के गुर सीखे।

मुंबई मे कंरियर की शुरुआत

दिल्ली में अपने थिएटर अनुभव के बाद इम्तियाज अली ने **मुंबई** का रुख किया। उन्होंने **जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन** से डिप्लोमा कोर्स किया। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत शुरू की।

इम्तियाज अली ने कई हिट फिल्में डायरेक्ट की, जिनमें '**जव वी मेट**', '**लव आजकल**', '**रॉकस्टार**', '**हाईवे**', '**तमाशा**', '**जब हैरी**

मेट सेजल', '**अमर सिंह चमकीला**', **और** '**लैला मजनू**' शामिल हैं। इन फिल्मों ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर कमाल किया, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी गहरी छाप छोड़ी।

हिट फिल्मों की कहानी

'**जव वी मेट**': यह फिल्म इम्तियाज अली के करियर की सबसे प्रसिद्ध और यादगार फिल्मों में से एक है। फिल्म ने प्रेम, जीवन और यात्रा को खूबसूरती से पेश किया।

'**लव आजकल**': युवा पीढ़ी के इमोशन्स और रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाती यह फिल्म भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुई।

'**रॉकस्टार**': संगीत और रोमांस का शानदार मिश्रण, जिसने दर्शकों और संगीत प्रेमियों दोनों को मोहित किया।

'**हाईवे**' **और** '**तमाशा**': इम्तियाज अली ने इन फिल्मों में जीवन की गहराई और इंसान के भावनात्मक सफर को बड़े संवेदनशील तरीके से दिखाया।

उनकी कई फिल्में **री-रिलीज** भी हुईं, जिनमें दर्शकों की भीड़ पहले के मुकाबले ज्यादा रही। यह दर्शाता है कि उनके काम में समय की कसौटी पर भी टिकाऊ मूल्य है।

डायरेक्टर, राइटर और एक्टिंग

इम्तियाज अली सिर्फ डायरेक्टर नहीं हैं। उन्होंने **स्क्रिप्ट लेखन और एक्टिंग** में भी हाथ आजमाया। भले ही उन्होंने कोई रिकॉर्ड तो नहीं बनाया, लेकिन उनके काम की गुणवत्ता ने उन्हें बॉलीवुड में अलग पहचान दिलाई।

उनकी फिल्में अक्सर **रोमांटिक और भावनात्मक** कहानियों पर आधारित होती हैं। दर्शकों को थिएटर में खींचने की उनकी क्षमता उन्हें युवा और अनुभवी दोनों ही दर्शकों में लोकप्रिय बनाती है।

व्यक्तिगत जीवन और प्रेरणा

इम्तियाज अली का परिवार और बचपन उनके करियर में प्रेरणा का स्त्रोत रहा। पिता और मामा ने उन्हें कला के प्रति गंभीर बनने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया। थिएटर में शुरुआती अनुभव ने उन्हें कहानी कहने और पात्रों के गहराई से जुड़ने की क्षमता दी।

मुंबई में शिक्षा और फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान इम्तियाज ने सिखा कि **संघर्ष और मेहनत ही सफलता की कुंजी है**।

दर्शकों और आलोचकों की प्रतिक्रिया

इम्तियाज अली की फिल्में अक्सर आलोचकों और दर्शकों दोनों के बीच सराही जाती हैं। उनके संवाद, किरदार और कहानी की गहराई दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ती है।

कुछ फिल्मों को शुरुआती समय में ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन बाद में **री-रिलीज और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज** होने के बाद उनकी फिल्में और अधिक लोकप्रिय हुईं।

जमशेदपुर से निकले इम्तियाज अली का सफर बॉलीवुड में प्रेरणा और मेहनत की मिसाल है। उन्होंने साबित किया कि **साधारण पृष्ठभूमि और सीमित संसाधनों से भी बड़े सपने पूरे किए जा सकते है**।

उनकी फिल्में दर्शकों के दिलों को छूने के साथ-साथ भारतीय रोमांटिक सिनेमा की नई पहचान बन गई हैं। इम्तियाज अली की कहानी यह बताती है कि **कड़ी मेहनत, जुनून और रचनात्मकता** से किसी भी सपने को साकार किया जा सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.